भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *92

सोमवार, 26 जुलाई, 2021/4 श्रावण, 1943(शक)

रोजगार संबंधी सर्वेक्षण

***92. श्री भर्तृहरि महताब:**

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में विभिन्न स्थापनाओं में रोजगार सृजन का पता लगाने हेतु कोई सर्वेक्षण करा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार द्वारा प्रवासियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का पता लगाने के लिए भी सर्वेक्षण किया जा रहा है;

(ग) यदि हां, तो इन सर्वेक्षणों के परिणाम कब तक सार्वजनिक किए जाने की संभावना है;

(घ) क्या विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में भी सभी स्थापनाओं में तत्स्थानिक रूप से रोजगार संबंधी सर्वेक्षण किए जा रहे हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रम और रोजगार मंत्री

(श्री भूपेन्द्र यादव)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*

*****

रोजगार संबंधी सर्वेक्षण के संबंध में दिनांक 26.07.2021 को उत्तर के लिए नियत लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 92 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

जी हां। सरकार देश में विभिन्न प्रतिष्ठानों में रोजगार में बदलाव का पता करने के लिए सर्वेक्षण कर रही है। श्रम और रोजगार मंत्रालय के संबद्ध कार्यालय श्रम ब्यूरो को अखिल भारतीय तिमाही प्रतिष्ठान आधारित रोजगार सर्वेक्षण (एक्यूईईएस) कराने का काम सौंपा गया है। इसमें चयनित नौ क्षेत्रों नामत: विनिर्माण; सन्निर्माण; व्यापार; परिवहन; शिक्षा; स्वास्थ्य; आवास एवं रेस्तरां; आईटी/बीपीओ; और वित्तीय सेवा क्षेत्र में प्रतिष्ठानों के संबंध में रोजगार में परिवर्तन को मापा जाता है।

एक्यूईईएस के दो घटक हैं:

i) दस या अधिक कामगारों को नियोजित करने वाले प्रतिष्ठानों के संबंध में तिमाही रोजगार सर्वेक्षण **(क्यूईएस) ।**

ii) नौ या कम कामगारों को नियोजित करने वाले प्रतिष्ठानों के संदर्भ में एरिया फ्रेम प्रतिष्ठान सर्वेक्षण (एएफईएस)।

इन सर्वेक्षणों के तकनीकी पहलुओं पर सलाह लेने के लिए प्रसिद्ध सांख्यिकीविद प्रोफेसर एस.पी.मुखर्जी की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया है।

भारत सरकार ने प्रवासी कामगारों पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण कराने का काम भी श्रम ब्यूरो को सौंपा है। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य प्रवासी कामगारों और उनके काम पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव पर बुनियादी मात्रात्मक सूचना सृजित करना है। यह सर्वेक्षण प्रवासी कामगारों के सामाजिक-आर्थिक हालातों पर भी प्रकाश डालेगा। इसमें प्रवास के बाद उनकी शिक्षा का स्तर, रोजगारपरक/तकनीकी प्रशिक्षण, लैंगिकता, सामाजिक समूह, आवास (आवासन), उपभोग व्यय, आय, वित्तीय समावेशन और आय में परिवर्तन पर डेटा एकत्र किया जाएगा। यह सर्वेक्षण कम्प्यूटर समर्थित निजी साक्षात्कार (सीएपीआई) प्रौद्योगिकी के साथ कागजविहीन होगा जहां पर गणनाकर्ता और पर्यवेक्षक हाथ में इलैक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर घरों में जाएंगे, जिससे तेजी से और आसानी से डेटा संग्रहण, मिलान और समेकन सुनिश्चित होगा। सरकार ने प्रवासी कामगारों के अखिल भारतीय सर्वेक्षण को एक वर्ष में पूरा करने की योजना बनाई है जिसके बाद परिणाम जारी किए जाएंगे।

अखिल भारतीय तिमाही प्रतिष्ठान आधारित सर्वेक्षण (एक्यूईईएस) की रिपोर्ट, क्षेत्र सर्वेक्षण के पूरा होने के दो महीने के बाद आती है। इसके पश्चात हर तिमाही में एक्यूईईएस रिपोर्ट जारी की जाती है।

******